>

Title: Regarding unemployment problem in the country

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम): सभापति महोदय जी, युवाओं की समस्याओं को आकर्षित करने के लिए आपने मुझे बोलने की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। युवा वर्ग समाज का वह वर्ग है जिससे समाज सर्वाधिक अपेक्षाएं पालता है। यही कारण है कि यह वर्ग स्वयं के ऊपर सर्वाधिक दबाव भी महसूस करता है। युवा शक्ति हर युग और हर समाज में सबसे उर्वर मानी जाती रही है। अगर हम अपने देश के परिप्रेक्ष्य में देखें तो फिलहाल विश्व का सबसे युवा वर्ग वाला देश भारत है जहां 54 करोड़ युवा बसते हैं। फिर भी यूरोपीय देशों के विकास के आगे हमारा देश पीछे है। हमारा देश अभी भी अशिक्षा, गरीबी, पिछड़ेपन एवं सामाजिक अन्याय से पीड़ित है तथा राष्ट्र के प्रति असंतोष, अव्यवस्था, देश की दयनीय स्थिति को प्रकट कर रही है। ऐसी विषम परिस्थितियों से जूझने की ताकत देश के युवा वर्ग में ही है। राष्ट्र के गौरव की सुरक्षा के लिए युवाओं ने ही हमेशा आगे कदम बढ़ाए हैं। चाहे संकट सीमा पर हो या सामाजिक और राजनैतिक समस्याओं के निवारण का प्रश्न हो, देश के युवाओं ने सर्वस्व न्यौछावर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। आज यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश का युवा दिशाहीन होकर नःसहाय होता जा रहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि देश की वैज्ञानिक युवा प्रतिभाओं को, देश के अंदर ही विकास के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, जिससे प्रतिभाओं का पलायन रोका जा सके। इसके साथ ही देश के क्षमता-संपन्न युवाओं को सरकार उदारतापूर्वक आर्थिक, शैक्षणिक और राजनैतिक सहायता प्रदान करे। उन्हें विकास के अवसर उपलब्ध कराए और साथ ही युवाओं को उचित दिशा की ओर भी प्रेरित किया जाना चाहिए, जिससे हमारे राष्ट्र का निर्माण सफलतापूर्वक हो तथा हमारा देश पुनः गौरव को प्राप्त कर सके।